मनमोहना | by Sukh Sagar

मैंने जिससे प्रीत लगाईं मुरली मनोहर वो कृष्ण कन्हाई
ऐसा वो सांवरा जाने मन को मोहना
मैंने जिससे प्रीत लगाईं .....

इक दिन मेरे सपनो में आया
आकर बोलै क्यों भरमाया
भूल जा साड़ी जग की माया
नश्वर है ये तेरी काया
बन जा तू मेरा बस मेरा
कर गया बावरा सपना वो सोहाना

अब तो ऐसी लगन है लागि
सुध बुध मैंने सब बिसरा दी
उसके बिना ना कुछ भी बी भावे
हर पल टीटू याद सतावे
मिल जा हुआ तेरा बस तेरा
एक बार मिल ज़रा ये प्रीत ना तोडना
मैंने जिससे प्रीत लगाईं .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-sukh-sagar/